आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–13 जनवरी 2025 भोजपुरी समाचार

दुनिया क सबसे बड़हन आध्यात्मिक अउर सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आजु पौष पुन्नवासी के मौका पर महानगर में अमृत स्नान के साथे सुरू हो गइल। ई छब्बीस फरवरी ले चली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अउर प्रदेस क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के सुभारंभ पर देसवासियन के सुभामना दिहले। पहिला दिन्ने आजु करीब एक करोड़ से बेसी सरधालु, तीर्थयात्रियन अउर आगन्तुक गंगा, जुमुना अउर सरस्वती नदियन के संगम त्रिवेणी के कई गो घाटन पर पबितर डुबकी लगवलें। येह मौका पर सुरक्षा क कड़ेर इतजाम कइल गइल रहे। प्रदेस क पुलिस महानिदेसक प्रशांत कुमार बतवले कि....

महाकुंभ दो हजार पच्चीस का जो प्रथम अमृत स्नान है वह आज सुबह ब्रह्ममुहुर्त से शुरू हुआ है। लगभग एक करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम क्षेत्र में स्नान किया है। जो हमारी सुरक्षा व्यवस्था जिस तरह से हम लोगों ने प्लानिंग की थी कि हमारे जो सात मेन रोड्स हैं जो कि प्रयागराज की तरफ आते हैं जहां से मैक्सिमम रोड ट्रैफिक आती हैं तथा नौ हमारे रेलवे स्टेशंस हैं। इसके अतिरिक्त कुछ हमारे एयर मोड से भी लोग आ रहे हैं तो सभी चीजों की व्यवस्था की गई जो हमने पांच लाख गाड़ियां लगाने की व्यवस्था की, वो लगभग आज साठ प्रतिशत वो भर गई थी।

अनुष्ठान स्नान के अलावे बड़हन संख्या में सरधालु संगम पर कल्पवास क पुरान परंपरों क पालन कई रहल हवे। हमरे प्रयागराज प्रतिनिधी बतवलें कि महाकुंभ में लगतारे दुसरका दिन बिहने मकरसक्रान्तियों पर अमृत स्नान होई।

****

महाकुंभ के दौरान बनारस आवे वाले सरधलुअन के सुविधा बदे बनारस नगर निगम कई गो विभागन के साथे मिलि के एगो क्विक रिस्पांस टीम तइयार कइले हवे जवन चौबीस घंटा कार करी। ई जनकारी वाराणसी नगर निगम क नगर आयुक्त अक्षत वर्मा आजु पत्रकारन से बतियावत दिहलें। ऊहां के बतवली के नगर निगम **एक पांच तीन तीन** हेल्पलाइन नंबरो जारी कइले हवे, जेकरे जरिया से आवे वाली सिकायतिन क जुरते निपटारा कइल जाई। ओहीं, महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्स दरसन पर रोकि लगा दिहल गइल हवे। धाम क मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वभूषण मिश्र येह बारे में एगो अपीलि करत कहले हवे कि–

और अड्ढाइस फरवरी तक जो कुंभ हमारा समाप्त हो जाएगा उसके पश्चात महाशिवरात्रि तक प्रोटोकॉल हमारा लागू रहेगा जिसमें पूर्ण रूप से स्पर्श दर्शन सदैव प्रतिबंधित हैं। मंगला आरती के अतिरिक्त अन्य किसी आरती का टिकट भी नहीं जारी किया जा रहा है। सभी आरतियों के साथ साथ दर्शन चलते रहेंगे।

ओहर जौनपुर जिला से महाकुंभ नगर ले ओहा के सरधालु मुफ्त बस सेवा क फायदा ले सकिहें। पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह महाकुंभ रथयात्रा नाव से येह सेवा क पहल कइले हवे, ताकि जौनपुर जिला का ढेरि से ढेरि सरधालु महाकुंभ स्नान कइ सके।

****

पौस पुन्नवासी पर आजु अजोध्या के सरजू नदी के लेके प्रदेस के कई गो तीर्थ स्थलन पर सरधालु स्नान कइ के पूजा–पाठ कइलें। अजोध्या में श्रीराम जन्मभूमि, नागेस्वरनाथ, कनक भवन के लेके कई गो मंदिरन में लोगि पूरा दिन दरसन पूजन करत रहले। मान्यता हवे कि आजु के दिन्ने सरजू नदी में नहइले से सज्जों पापन से छुटकारा मिलेला। हापुड़ जिला क गढ़मुक्तेश्वर, बृजघाट अमरोहा जिला क गंगाधाम तिगरी के लेके प्रदेस के अउरियो पवित्र नदियनों में बड़हन संख्या में लोगि आजु पौष पुन्नवासी पर आस्था क डुबकी लगवलें।

****

सूर्य के उत्तरायण होखले के मौका पर मनावल जाए वाला मंकर संक्रान्ति क तिउहार बिहने से प्रदेस में खिचड़ी परब के रूप में मनावल जाइ। गुरू गोरखनाथ के तपोभूमि गोरखपुर में एके खास उछाह के साथे मनावल जाला। बिहने लाखों सरधालु गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढहियें। हमरे प्रतिनिधि क एगो रिपोर्ट–

सबसे पहले सुबह चार बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गुरु गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाएंगे। इसके बाद नेपाल राष्ट्र से आई खिचड़ी मुख्यमंत्री द्वारा चढ़ाई जाएगी। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोल दिए जाएंगे। आकाशवाणी समाचार के लिए गिरीश नारायण चौबे गोरखपुर

बिनहिये से ही गोरखनाथ मंदिर में एक महिन्ना ले चले वाला खिचड़ी मेलवो सुरू हो जाइ। येह बिच्चे प्रदेस के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेसवासियन के येह परब पर बधाई दिहले हवें। ऊहां के कहली कि मकर संक्रान्ति पर सुरूज देव के रासि में भइल बदलाव अन्हार से अजोर की ओरि आगे बढ़वले क प्रतीक हवे।

****

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय क कुलाधिपति अउर प्रदेस क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु ओहा के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संबोधित कइलें। आयुर्वेद, योग अउर नाथपंथ के पारस्परिक अंतर संबध पर आधारित येह तीन दिवसीय संगोष्ठी के दुसरका दिन्ने श्री योगी आपन व्याख्यान दिहलें। ऊहां के कहली कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुवायी में भारत क पुरातन ज्ञान धारा, आयुर्वेद अउर योग के फेर से पुरातन गौरव मिलि रहलि हवे।

****